

हरिभूमि महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, रविवार 9 अगस्त 2026

रिक्त सीटों के लिए आज होगी ओपन काउंसलिंग

■ दो मेरिट लिस्ट व ओपन फिजिकल काउंसलिंग के बाद 585 विद्यार्थियों ने लिया दाखिला

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

जिले के सबसे पुराने राजकीय पीजी महाविद्यालय में स्नातक प्रथम वर्ष के दाखिलों को लेकर विद्यार्थियों की शुरुआती रुचि भले ही सीटों की संख्या से दो से तीन गुणा अधिक रही हो, लेकिन दो मेरिट लिस्ट और ओपन फिजिकल काउंसलिंग के बाद भी कॉलेज की आधे से अधिक सीटें खाली

जिले के सबसे पुराने कॉलेज में 1540 सीटों पर 2810 आवेदन, फिर भी 955 सीटें खाली

रह गई हैं। कॉलेज में विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों की कुल 1540 सीटें स्वीकृत हैं, जबकि दाखिला प्रक्रिया के दौरान 2810 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था। इसके बावजूद अब तक केवल 585 विद्यार्थियों ने प्रवेश

रिक्त सीटों को भरने के लिए कॉलेज प्रशासन की ओर से शनिवार को ओपन फिजिकल काउंसलिंग की गई। जिसमें विभिन्न संकाय की कुल 25 सीटें विद्यार्थियों को ऑफर की गईं। जिसमें बीए

की छह, बीकॉम की दो, बीबीए की तीन, बीसीए की सात, बीएससी लाइफ साइंस की छह, बीएससी फिजिकल साइंस की एक सीट शामिल है। वहीं 10 अगस्त से 16 अगस्त तक लेट फीस 100 रुपये के साथ रिक्त सीटों के लिए फिजिकल काउंसलिंग जारी रहेगी। इसके बाद भी सीटें खाली रहने पर 17 से 23 अगस्त तक काउंसलिंग का एक और चरण आयोजित किया जाएगा, जिसमें 100 रुपये लेट फीस के साथ 100 रुपये प्रतिदिन अतिरिक्त शुल्क भी देना होगा।



नारनौल। पीजी कॉलेज का मुख्यद्वार।

फोटो : हरिभूमि

क्या कहते हैं दाखिला नोटल अधिकारी

इस बारे में राजकीय पीजी कॉलेज के दाखिला नोटल अधिकारी डॉ. स्तोश सैनी ने कहा कि अधिक से अधिक विद्यार्थी इस अवसर का लाभ उठाकर समय पर दाखिला सुनिश्चित करें। विशेष रूप से वे विद्यार्थी जिन्होंने पहले ऑनलाइन आवेदन किया था, लेकिन मेरिट सूची में चयन नहीं हो सका या चयन के बावजूद दाखिला नहीं लिया, वे रिक्त सीटों के लिए आयोजित फिजिकल काउंसलिंग में भाग ले सकते हैं।



अपनी गौरवशाली विरासत को अगली पीढ़ी...



पालिका कर्मचारियों की हड़ताल तीसरे दिन भी जारी...



राजकीय पीजी कॉलेज

संकाय	सीट - आवेदन	प्रवेश - रिक्त
बीए	660	1098
बीबीए	40	128
बीकॉम	240	239
बीसीए	40	296
बीएससी लाइफ साइंस	160	458
बीएससी फिजिकल साइंस	400	591
कुल	1540	2810

आज फिर खुलेगा ऑनलाइन पोर्टल

कॉलेज में रिक्त सीटों को देखते हुए उच्चतर शिक्षा विभाग की ओर से विद्यार्थियों को दाखिले का एक और अवसर दिया गया है। नौ को ऑनलाइन एडमिशन पोर्टल दोबारा खोला जाएगा। इस दौरान पहले से आवेदन कर चुके अभ्यर्थी अपने आवेदन फार्म में आवश्यक संशोधन अथवा एडिटिंग कर सकते हैं। जिन विद्यार्थियों ने अभी तक आवेदन नहीं किया है, उनके लिए भी पोर्टल के माध्यम से आवेदन का अवसर उपलब्ध रहेगा।

खबर संक्षेप



नारनौल। पुलिस गिरफ्त में आरोपित।

चिट्ठा सहित आरोपित को दबोचा

नारनौल। सीआईए ने एक व्यक्ति को 4.71 ग्राम चिट्ठा (हेरोइन) सहित गिरफ्तार किया है। डीएसपी मुख्यालय भारत भूषण ने बताया कि सीआईए गश्त के दौरान अपराधों की रोकथाम के लिए थाना शहर क्षेत्र में मौजूद थी। पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति हेरोइन (चिट्ठा) लेकर नलापुर मोहल्ला स्थित संतोषी माता मंदिर के पास खड़ा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने तुरंत रेडिंग पार्टी गठित की और बलाए गए स्थान पर पहुंचकर एक व्यक्ति को काबू किया। पृष्ठताड़ में आरोपित को पहचान महेश निवासी मोहल्ला सैनीपुरा महेंद्रगढ़ के रूप में हुई। नियमानुसार राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में आरोपित को तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसकी जेब से एक पॉलीथिन बरामद हुई, जिसमें चिट्ठा/हेरोइन पाया गया। बरामद नशीले पदार्थ का इलेक्ट्रॉनिक कांटे से वजन किया गया, जो 4.71 ग्राम निकला।

रक्तदान शिविर 20 को अटेली मंडी में

मंडी अटेली। डीएल डार्क लाइट फाउंडेशन की ओर से स्वतंत्रता दिवस माह के मौके पर 20 अगस्त को अटेली गैस गोदाम के समीप फाउंडेशन की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। फाउंडेशन के डायरेक्टर लोकेश गुवानी ने बताया कि शिविर में रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र प्रदान किये जाएंगे। डीएल डार्क लाइट फाउंडेशन 13 अप्रैल को रजिस्ट्रेशन करने के बाद क्षेत्र में सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रहा है।

बहुमंजिला हॉस्टल नहीं करते नियम पूरे, नक्शे, फायर एनओसी का पालन भी नहीं

आयुर्वेदिक कॉलेज में हॉस्टल बनने में देरी, बाहर कृषि भूमि पर बन गए पीजी

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

शहरी सीमा में शामिल गांव पटीकरा में बाबा खेतानाथ राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज है। कॉलेज के अंदर हॉस्टल की सुविधा अभी नहीं है। इसके कारण यहां के विद्यार्थी आस पास बने पीजी में रहने को मजबूर हैं। इसी का फायदा कॉलेज के ईद गिर्द कई बहुमंजिला भवन बन गए हैं और इन भवनों में पीजी चल रहा है। पीजी चलाने के जो नियम हैं, जांच पड़ताल की जाए तो खामियों का अम्भार नजर आ सकता है। हैरानी की बात है कि कृषि भूमि पीजी खेलकर व्यवसाय किया जा रहा है और नगर परिषद प्रशासन आंख बंद कर कुंभकरण की नौद सोया हुआ है। जब यहां कॉलेज में एडमिशन

क्या कहते हैं ईओ

इस संबंध में नगर परिषद के ईओ जोगेंद्र सिंह ने मीडिया को बताया कि कॉलेज के आसपास संचालित पीजी भवनों के नक्शे स्वीकृत हैं या नहीं तथा उनका निर्माण नियमों के अनुसार हुआ है या नहीं, इसकी जानकारी संबंधित फाइलों की जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। सोमवार को फाइलों की जांच कर स्थिति के बारे में बताया जाएगा। यदि कोई पीजी भवन नियमों के खिलाफ बना पाया गया तो संबंधित संचालकों को नोटिस जारी किया जाएगा।

शुरू हुआ तो विद्यार्थियों को भी यह कमी खली थी। इसका विरोध भी किया गया। जिसके बाद में विद्यार्थियों को यह कहकर शांत किया गया कि जल्द ही कॉलेज में हॉस्टल का निर्माण होगा।

इस निर्माण में देरी का फायदा उठाते हुए कॉलेज के आस पास कई लोगों ने बहुमंजिला इमारत खड़ी कर ली और उन्हें पीजी का रूप देते हुए अच्छी चांदी कूट रहे हैं। यह एरिया नगर परिषद के अधीन है।

जहां भवनों में पीजी चलाए जा रहे हैं, इन भवनों के निर्माण की वैधता, स्वीकृत भवन नक्शे, भूमि उपयोग, फायर एनओसी और अन्य सुरक्षा मानकों को लेकर सवाल उठने लगे हैं। आरोप है कि कुछ भवनों का नगर परिषद से भवन नक्शा तक स्वीकृत नहीं है। हालांकि इन आरोपों की वास्तविक स्थिति संबंधित विभागों की जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। यहीं नहीं, पीजी में रहने वाले

विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए अग्निशमन व्यवस्था सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई पीजी में पर्याप्त संख्या में फायर एक्सटिंग्विशर, फायर अलार्म और आपातकालीन निकास जैसी व्यवस्थाएं नजर नहीं आती। लोगों ने अग्निशमन विभाग से मांग की है कि कॉलेज के आसपास संचालित सभी पीजी भवनों का निरीक्षण कराया जाए और यह जांच की जाए कि संबंधित भवनों के पास आवश्यक फायर एनओसी है या नहीं। साथ ही भवन की ऊंचाई, कमरों की संख्या, विद्यार्थियों की क्षमता, विद्युत व्यवस्था, निकास द्वार और अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता की भी जांच की जाए।



महेंद्रगढ़। पुलिस की गिरफ्त में आरोपित।

डिवाइडर से खरपतवार गायब

मुख्यमंत्री के दौरे की तैयारियों के बीच पौडब्ल्यूडी ने महावीर चौक से रेवाड़ी-सिंघाना रोड पर बने डिवाइडर की भी सफाई करवा दी है। मानसून के कारण डिवाइडर में लगाए गए फूलदार पौधों के बीच बड़ी मात्रा में खरपतवार उग आई थी। बारिश के बाद यह पूरा हिस्सा अस्त-व्यस्त नजर आने लगा था। विभाग ने अब खरपतवार हटवाकर डिवाइडर को साफ कर दिया है। इससे न केवल सड़क का स्वरूप बेहतर हुआ है, बल्कि फूलदार पौधों के पनपने की संभावना भी बढ़ गई है।

पुलिस नगर आ रही मुस्तेद

उधर, सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस भी पूरी तरह मुस्तेद है। शहर के प्रमुख चौराहों और कार्यक्रम से जुड़े मार्गों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। मैराथन के रूट पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। महेंद्रगढ़ रोड की ओर जाने वाले रास्तों पर यातायात को नियंत्रित करने की तैयारी की गई है।

बिजली ने भी नहीं दिया झटका

शहर की बिजली व्यवस्था भी इन दिनों चर्चा में है। मानसून सक्रिय है और पिछले तीन दिनों से इलाके में रिमझिम बारिश के साथ तेज हवा का दौर भी चला है। इसके बावजूद बिजली आपूर्ति लगातार बनी हुई है। वोल्टेज भी सामान्य आ रहे हैं। यह स्थिति इसलिये खास है क्योंकि गर्मी के दिनों में मामूली तेज हवा चलते ही बिजली कटने की शिकायतें आम रही हैं। कई बार मरम्मत या सुरक्षा के नाम पर भी घंटों आपूर्ति बंद रहने से लोगों को परेशानी उठानी पड़ती थी।

सफाई कर्मियों की हड़ताल भी टली

मुख्यमंत्री के दौरे से ठीक पहले नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों की प्रस्तावित हड़ताल भी टल गई। कर्मचारियों ने पांच अगस्त से हड़ताल शुरू करने का निर्णय लिया था। प्रदेश स्तर पर 11 से 13 अगस्त तक हड़ताल प्रस्तावित है। यदि स्थानीय स्तर पर भी कर्मचारी हड़ताल पर चले जाते तो मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के दौरान शहर की सफाई व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका थी। स्थानीय प्रशासन ने समय रहते हस्तक्षेप किया और सफाई कर्मचारियों से बातचीत की। कर्मचारियों को मुख्यमंत्री का दौरा पूरा होने तक आंदोलन स्थगित रखने के लिए राजी कर लिया गया। इसके बाद उन्होंने हड़ताल का फैसला टाल दिया और अब सीएम दौरे की व्यवस्थाओं में अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं।

छिलरो में ढही पुरानी हवेली, मलबा मकान में गिरा जर्जर हवेली का हिस्सा गिरने से मचा हड़कंप, गनीमत रही कोई जनहानि नहीं

- बचे हिस्से को भी गिराने की मांग
- आज सुबह फुहार व शाम को बरसात के आसार

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

बीते तीन दिनों से जिला में रूक रूक कर बरसात का सिलसिला जारी है। शनिवार को भी यही सिलसिला चला। दोसी धाम के पहाड़ों पर झरना बहना शुरू हो गया है। जब यह वीडियो व तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई तो लोगों का आवागमन वहां बढ़ गया। संडे को अधिक लोग पहुंचने की संभावना है। शनिवार रात को भी बरसात हुई। रविवार अल सुबह हलकी फुहार



नारनौल। रियायशी मकान के सामने पड़ा हवेली का मलबा।

फोटो : हरिभूमि

दिखेगी। फिर शाम और अगले दिन सोमवार को अच्छी बरसात होने की संभावना जताई जा रही है। दूसरी ओर शनिवार को थाना निजामपुर क्षेत्र के गांव छिलरो में बारिश के कारण एक पुरानी और जर्जर हवेली

का हिस्सा ढह गया। हवेली में लंबे समय से कोई नहीं रह रहा था और इसके मालिकों ने अलग-अलग मकान बाहर बना रखे हैं। बारिश के दौरान हवेली का एक हिस्सा अचानक भरभराकर गिर गया।

हुडा सेक्टर में जलभराव से लोगों की बढ़ी परेशानी

नारनौल। हुडा सेक्टर में बरसात के बाद जलभराव ने स्थानीय लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। मकान नंबर 671 के सामने सड़क पर बने गहरे गड्ढों में पानी जमा होने से रास्ता पूरी तरह प्रभावित हो गया है। घर के मुख्य द्वार के सामने पानी खड़ा रहने से परिवार के सदस्यों को आने-जाने में भी परेशानी उठानी पड़ रही है। मकान मालिक कंचन जैन व आसपास के लोगों ने बताया कि सड़क का लेवल काफी नीचा होने के साथ-साथ जगह-जगह गहरे गड्ढे बने हुए हैं। हल्की बारिश होते ही इनमें पानी भर जाता है और निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण काफी देर तक जमा रहता है। पानी के कारण गड्ढे दिखाई नहीं देते, जिससे दोपहिया वाहन चालकों के दृष्टिजागरूक होने का खतरा भी बना रहता है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि उन्होंने लाखों करोड़ों रुपये खर्च कर मकान बनाए हैं,



नारनौल। हुडा सेक्टर में सड़क पर जमा बरसाती पानी।

फोटो : हरिभूमि

लेकिन सड़क की बदहाली के कारण बरसात में घर तक पहुंचना भी मुश्किल हो जाता है। लंबे समय तक पानी जमा रहने से मकानों की नींव और दीवारों को नुकसान पहुंचने की आशंका भी बनी हुई है।

SOMANY GROUP OF INSTITUTIONS
www.somanygroup.in | www.somanycollegepharmacy.in
* Somany Institute of Technology and Management * Somany College of Pharmacy

ADMISSIONS OPEN
COURSES OFFERED
SITM Courses

- B.Tech (CSE, ME, ECE, PT)
- M.Tech (CSE, ME, ECE, PT)
- BBA • BCA • MBA

SCP Courses

- D.Pharm
- B.Pharm

Facilities

- Experienced Faculty
- Modern Infrastructure
- Well Equipped Labs
- Placement Assistance
- Holistic Development

Delhi - Jaipur Highway, NH - 48, Near Rewari City Sector 26
ADMISSION HELPLINE 9541069998 | 01274-261239 | 9034717734 | 7082539268

बाजार डगमगाए तो निवेश नहीं, रणनीति को बदलें

● 10 हजार की मासिक एसआईपी से बनाएं संतुलित पोर्टफोलियो ● गिरावट में घबराकर बेचने के बजाय किस्तों में बढ़ाएं निवेश ● इक्विटी के साथ डेट और गोल्ड का संतुलन रखना भी जरूरी

अलर्ट

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में जब तेजी होती है तो निवेशक ज्यादा कमाने की उम्मीद में पैसा बढ़ा देते हैं और गिरावट आते ही नुकसान के डर से निवेश रोकने या शेयर बेचने लगते हैं। यही गलती लंबे समय में रिटर्न पर सबसे ज्यादा असर डालती है। बाजार में उतार-चढ़ाव हमेशा रहेगा, लेकिन निवेशक की रणनीति उसके वित्तीय लक्ष्य, समय अवधि और जोखिम उठाने की क्षमता के हिसाब से तय होनी चाहिए। ऐसे दौर में सबसे जरूरी है कि बाजार की हर हलचल पर फैसला लेने के बजाय एक संतुलित पोर्टफोलियो बनाया जाए और निवेश को अनुशासन के साथ जारी रखा जाए। विशेषज्ञों के मुताबिक लंबी अवधि के निवेशक के लिए बाजार की हर गिरावट खतरा नहीं होती। कई बार यही गिरावट अच्छी कंपनियों और इक्विटी फंड में अपेक्षाकृत बेहतर कीमत पर निवेश का मौका भी देती है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि गिरते बाजार में बिना सोचे-समझे पूरी रकम लगा दी जाए। चरणबद्ध निवेश, एसआईपी और सही एसेट एलोकेशन इस समय ज्यादा उपयोगी रणनीति हो सकती है।



ऐसे बनाएं पोर्टफोलियो

मान लीजिए किसी निवेशक के पास हर महीने 10,000 रुपये निवेश करने की क्षमता है और उसका लक्ष्य कम से कम 7-10 साल का है। वह अपनी जोखिम क्षमता के अनुसार राशि को अलग-अलग हिस्सों में बांट सकता है।

मध्यम जोखिम वालों के लिए उदाहरण

- 15,000 इक्विटी/फ्लेक्सी-कैप फंड में
- 2,000 लार्ज एंड मिडकैप या इंडेक्स फंड में
- 2,000 डेट/हाइब्रिड फंड में
- 1,000 गोल्ड आधारित निवेश में
- यह केवल उदाहरण है। वास्तविक आवंटन निवेशक की उम्र, आय, मौजूदा निवेश, लक्ष्य और जोखिम क्षमता के आधार पर अलग हो सकता है।

गिरावट आए तो एसआईपी बंद न करें

बाजार में गिरावट आते ही एसआईपी बंद करना आम निवेशक की बड़ी गलती हो सकती है। एसआईपी का फायदा ही यह है कि बाजार के अलग-अलग स्तरों पर निवेश होता रहता है। बाजार

बाजार गिरने पर ये 5 काम न करें

- 1. घबराकर सारे शेयर न बेचें : लंबी अवधि के निवेश को छोटी अवधि की गिरावट के आधार पर खत्म न करें।
- 2. एसआईपी बंद न करें : सिर्फ बाजार गिरने के कारण नियमित निवेश रोकना जरूरी नहीं।
- 3. कर्ज लेकर निवेश न करें : शेयर बाजार में रिटर्न निश्चित नहीं है, लेकिन कर्ज की लागत निश्चित होती है।
- 4. सोशल मीडिया की टिप पर पैसा न लगाएं : किसी शेयर या फंड में निवेश से पहले उसकी पूरी जानकारी लें।
- 5. एक ही फंड पर निर्भर न रहें : जरूरत और जोखिम क्षमता के अनुसार पोर्टफोलियो में विविधता रखें।

नीचे आने पर उसी राशि में ज्यादा यूनिट मिल सकती है और बाजार ऊपर जाने पर उनका मूल्य बढ़ सकता है। हालांकि, जिस पैसे की जरूरत अगले एक-दो साल में पड़नी है, उसे केवल इक्विटी में लगाना उचित नहीं माना जाता। बच्चों की पौंस, घर खरीदने की डाउन पेमेंट या किसी अन्य नजदीकी लक्ष्य के लिए अलग सुरक्षित फंड रखना चाहिए।

पूरा पोर्टफोलियो एक ही एसेट में न लगाएं

सिर्फ शेयर बाजार में निवेश करने से तेजी के दौर में रिटर्न आकर्षक दिखाई दे सकता है, लेकिन बड़ी गिरावट में पूरा पोर्टफोलियो प्रभावित हो सकता है। दूसरी तरफ, सिर्फ सुरक्षित साधनों में पैसा रखने से लंबी अवधि में महंगाई को मात देना मुश्किल हो सकता है। इसलिए इक्विटी, डेट और गोल्ड जैसे अलग-अलग एसेट में संतुलन बनाना जरूरी है। यही कारण है कि मध्यम जोखिम वाले निवेशक हाइब्रिड फंड और मल्टी-एसेट फंड पर भी विचार कर सकते हैं। इसमें अलग-अलग एसेट क्लास में निवेश करके पोर्टफोलियो में विविधता लाने की कोशिश की जाती है।

बाजार महंगा लगे तो क्या करें

जब बाजार लगातार ऊपर जा रहा हो तो एकमुश्त बड़ी रकम

टेलीग्राम और इंस्टाग्राम चैनल्स पर बताए गए टिप्स से बचके रहें

● ये करवा सकते हैं बड़े नुकसान, अपनी समझ से करें निवेश

किस लक्ष्य के लिए कितना जोखिम

- 1-3 साल : इक्विटी में सीमित निवेश, सुरक्षित और कम उतार-चढ़ाव वाले विकल्पों को प्राथमिकता।
- 3-5 साल : हाइब्रिड और डेट के साथ सीमित इक्विटी पर विचार।
- 7-10 साल: जोखिम क्षमता के अनुसार इक्विटी का हिस्सा बढ़ाया जा सकता है।
- 10 साल से ज्यादा : लंबी अवधि के लक्ष्य में इक्विटी आधारित निवेश महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, लेकिन पोर्टफोलियो में विविधता बनाए रखना जरूरी है।

समय दें, समय न साधों

शेयर बाजार में कब तेजी आएगी और कब गिरावट, इसका अनुमान लगाना मुश्किल है। लेकिन निवेशक यह जरूर तय कर सकता है कि वह कितना जोखिम ले सकता है, कितने समय के लिए निवेश करेगा और गिरावट आने पर क्या रणनीति अपनाएगा। इसलिए बाजार की चाल पकड़ने के बजाय समय की निवेश में देना ज्यादा महत्वपूर्ण है। नियमित एसआईपी, विविध पोर्टफोलियो और समय-समय पर समीक्षा लंबे समय में निवेश को मजबूत आधार दे सकती है।

लगाने से बचना समझदारी हो सकती है। नियमित एसआईपी जारी रखना और अतिरिक्त रकम को चरणबद्ध तरीके से लगाना जोखिम को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। वहीं, बाजार में अचढ़ी-खासी गिरावट आने पर मजबूत कंपनियों या उपयुक्त इक्विटी फंड में अतिरिक्त निवेश का अवसर मिल सकता है, लेकिन गिरावट कितनी होगी और बाजार कब नीचे आएगा, इसका सटीक अनुमान लगाना मुश्किल है। इसलिए 'सही समय का इंतजार करने के बजाय चरणबद्ध निवेश ज्यादा व्यावहारिक रणनीति हो सकती है।

कमाई का इंजन बन सकती है इक्विटी

इक्विटी में उतार-चढ़ाव सबसे ज्यादा होता है, लेकिन लंबी अवधि में पुंजी बढ़ाने की क्षमता भी अधिक हो सकती है। इसलिए 7-10 साल या उससे अधिक का लक्ष्य रखने वाले निवेशक अपने पोर्टफोलियो में इक्विटी को जगह दे सकते हैं। हालांकि, फंड चुनते समय केवल पिछले एक साल का रिटर्न देखकर फैसला नहीं करना चाहिए। फंड का लंबा ट्रैक रिकॉर्ड, खर्च, पोर्टफोलियो की गुणवत्ता, फंड मैनेजर की रणनीति और निवेशक की जोखिम क्षमता जैसे पहलुओं को देखना जरूरी है।

होम लोन की प्रीपेमेंट करें या निवेश? जानिये क्या है आपके लिए बेहतर

बिजनेस डेस्क

जानकारी

अपना घर खरीदने के लिए लिया गया होम लोन ज्यादातर लोगों की जिंदगी का सबसे बड़ा और लंबी अवधि वाला कर्ज होता है। 15, 20 या 25 साल की अवधि में चुकाए जाने वाले इस लोन में ब्याज की रकम भी काफी बड़ी हो सकती है। ऐसे में जब बोनस, प्रियर, निवेश से पैसा या कोई अन्य अतिरिक्त रकम हाथ में आती है तो लोगों के सामने बड़ा सवाल होता है कि इस पैसे का इस्तेमाल होम लोन की प्रीपेमेंट में किया जाए या उसे निवेश कर भविष्य के लिए संपत्ति बनाई जाए। लोन की प्रीपेमेंट करने से ब्याज का बोझ कम होता है और कर्ज जल्दी खत्म हो सकता है। दूसरी ओर, सही निवेश लंबे समय में रकम को बढ़ाने में मदद कर सकता है। इसलिए, हर व्यक्ति के लिए एक ही विकल्प सही नहीं हो सकता। फैसला लेते समय तीन महत्वपूर्ण बातों को समझना जरूरी है।

होम लोन के शुरुआती सालों में प्रीपेमेंट का फायदा ज्यादा

होम लोन की ईएमआई दो हिस्सों में बंटी होती है: मूलधन और ब्याज। लोन की शुरुआत में ईएमआई का बड़ा हिस्सा ब्याज चुकाने में चला जाता है, जबकि मूलधन अपेक्षाकृत कम घटता है। जैसे-जैसे लोन की अवधि आगे बढ़ती है, ब्याज का हिस्सा कम और मूलधन का हिस्सा बढ़ता जाता है। यही वजह है कि अगर आपके पास लोन लेने के शुरुआती वर्षों में अतिरिक्त पैसा आता है तो प्रीपेमेंट करना ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। मान लीजिए आपने 20 साल के लिए होम लोन लिया है और पांचवें साल में आपके पास एकमुश्त रकम आती है। अगर आप उसका कुछ हिस्सा मूलधन में जमा कर देते हैं तो बकया लोन घट जाएगा। इसके बाद लगने वाला ब्याज भी कम हो जाएगा। प्रीपेमेंट का एक बड़ा फायदा यह है कि आपको भविष्य में बचने वाले ब्याज का फायदा लगभग निश्चित रूप से मिलता है। यानी अगर आपके होम लोन की ब्याज दर 8 फीसदी है तो मूलधन कम करने पर भविष्य के 8 फीसदी के आसपास के ब्याज खर्च से बचने का प्रभाव मिलता है, हालांकि वास्तविक बचत लोन की संरचना और समय पर निर्भर करेगी।

निवेश के संभावित रिटर्न की तुलना लोन की ब्याज दर से करें

कई लोग मानते हैं कि अगर निवेश से होम लोन की ब्याज दर से ज्यादा रिटर्न मिल सकता है तो प्रीपेमेंट करने के बजाय निवेश करना बेहतर है। यह सोच कुछ परिस्थितियों में सही हो सकती है, लेकिन इसे सीधे-सीधे लागू नहीं किया जा



सकता। होम लोन की ब्याज दर आपको निश्चित लागत है, जबकि निवेश का रिटर्न निश्चित नहीं होता। उदाहरण के लिए इक्विटी म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार में लंबी अवधि में अच्छे रिटर्न की संभावना रहती है, लेकिन बाजार में उतार-चढ़ाव भी होता है। किसी एक साल या छोटी अवधि में रिटर्न कम भी हो सकता है। इसलिए निवेश और प्रीपेमेंट के बीच फैसला करते समय सिर्फ अनुमानित रिटर्न नहीं देखें। निवेश पर लगने वाले टैक्स, जोखिम, निवेश की अवधि और आपके लक्ष्य को भी ध्यान में रखें। अगर आप बाजार के जोखिम को सहन कर सकते हैं, निवेश की अवधि 7-10 साल या उससे अधिक है और आपके पास नियमित आय है तो निवेश को प्राथमिकता देने का विकल्प हो सकता है।

इमरजेंसी फंड के बिना प्रीपेमेंट न करें

अतिरिक्त पैसा आते ही होम लोन में जमा कर

देना हमेशा समझदारी नहीं है। सबसे पहले यह देखना चाहिए कि आपके पास पर्याप्त इमरजेंसी फंड है या नहीं। अचानक नौकरी जाने, स्वास्थ्य संबंधी खर्च, परिवार की जरूरत या किसी अन्य आपात स्थिति में नकदी की जरूरत पड़ सकती है। अगर आपने अपनी पूरी अतिरिक्त बचत होम लोन में डाल दी और बाद में अचानक पैसे की जरूरत पड़ गई तो आपको महंगे पर्याप्त लोन या क्रेडिट कार्ड का सहारा लेना पड़ सकता है। इसलिए पहले कम से कम 6 से 12 महीने के जरूरी घरेलू खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड तैयार रखना बेहतर है। इसके बाद बची रकम को प्रीपेमेंट और निवेश के बीच बांटने पर विचार किया जा सकता है।

कितना पैसा प्रीपेमेंट में लगाएं?

मान लीजिए किसी व्यक्ति के पास 5 लाख रुपये की अतिरिक्त रकम है। अगर उसका होम लोन

शुरुआती दौर में है और ब्याज दर ज्यादा है, तो वह रकम का बड़ा हिस्सा प्रीपेमेंट में लगाने पर विचार कर सकता है। लेकिन अगर लोन काफी पुराना है, इमरजेंसी फंड तैयार है और निवेश की अवधि लंबी है तो कुछ रकम म्यूचुअल फंड जैसे दीर्घकालिक निवेश विकल्पों में लगाई जा सकती है। एक तीसरा रास्ता भी है: पैसे को पूरी तरह एक ही जगह लगाने के बजाय बांट देना। उदाहरण के लिए 5 लाख रुपये में से कुछ रकम होम लोन की प्रीपेमेंट में और बाकी रकम लंबी अवधि के निवेश में लगाई जा सकती है। इससे कर्ज का बोझ भी घटेगा और भविष्य के लिए निवेश भी बना रहेगा।

फैसला आपकी वित्तीय स्थिति पर निर्भर

होम लोन की प्रीपेमेंट और निवेश में से कौन सा विकल्प बेहतर है, इसका कोई सार्वभौमिक जवाब नहीं है। अगर लोन नया है, ब्याज का बोझ ज्यादा है और आप कर्ज जल्दी खत्म करना चाहते हैं तो प्रीपेमेंट को प्राथमिकता दी जा सकती है। अगर लोन के अंतिम वर्षों में है, पर्याप्त इमरजेंसी फंड मौजूद है और आपकी निवेश अवधि लंबी है तो निवेश पर विचार किया जा सकता है। सबसे जरूरी बात यह है कि फैसला लेने से पहले लोन की ब्याज दर, बची हुई अवधि, प्रीपेमेंट के बाद ब्याज बचत, निवेश का जोखिम, संभावित रिटर्न और अपनी नकदी जरूरत का आकलन करें। मायकाओं के बजाय आंकड़ों के आधार पर लिया गया फैसला आपकी कुल वित्तीय स्थिति के लिए ज्यादा बेहतर साबित हो सकता है।



पुराना क्रेडिट कार्ड बंद करने से घट सकता है सिबिल

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

कई लोगों के पास समय के साथ एक से ज्यादा बैंक खाते और क्रेडिट कार्ड हो जाते हैं। इनमें से कुछ का इस्तेमाल लंबे समय से नहीं किया जा रहा होता है। ऐसे में अतिरिक्त खाते या कार्ड बंद करना स्वाभाविक फैसला लगता है। लेकिन अगर आप पुराना क्रेडिट कार्ड बंद करने जा रहे हैं तो पहले यह समझना जरूरी है कि इसका आपके सिबिल स्कोर और भविष्य में लोन लेने की क्षमता पर क्या असर पड़ सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक बैंक का सेविंग या करंट अकाउंट बंद करने से सिबिल स्कोर पर सीधा असर नहीं पड़ता। विशेषज्ञों के मुताबिक बैंक का सेविंग या करंट अकाउंट बंद करने से सिबिल स्कोर पर सीधा असर नहीं पड़ता। क्योंकि ये खाते सामान्य तौर पर क्रेडिट ब्यूरो की क्रेडिट रिपोर्ट का हिस्सा नहीं होते। वहीं, पुराने क्रेडिट कार्ड को बंद करने से आपके क्रेडिट प्रोफाइल में बदलाव आ सकता है। इसका असर हर व्यक्ति पर अलग हो सकता है और यह उसके कुल क्रेडिट इतिहास, बकया राशि और उपलब्ध क्रेडिट लिमिट पर निर्भर करता है।

वर्षों बदल सकता है स्कोर

बाजार के जानकारों के अनुसार, क्रेडिट कार्ड बंद करने का एक प्रमुख असर कुल उपलब्ध क्रेडिट लिमिट पर पड़ता है। उदाहरण के लिए, अगर किसी व्यक्ति के सभी कार्डों की कुल क्रेडिट लिमिट 3 लाख रुपये है और उस पर 60 हजार रुपये बकया है, तो क्रेडिट यूटिलाइजेशन रेशियो 20 प्रतिशत होगा। अगर वह 1 लाख रुपये लिमिट वाला एक कार्ड बंद कर देता है तो कुल उपलब्ध लिमिट घटकर 2 लाख रुपये रह जाएगी। वहीं बकया 60 हजार रुपये ही रहने पर क्रेडिट यूटिलाइजेशन बढ़कर 30 प्रतिशत हो जाएगा। उपलब्ध क्रेडिट की तुलना में ज्यादा इस्तेमाल होना क्रेडिट प्रोफाइल के लिए कम अनुकूल माना जा सकता है।

सबसे पुराना कार्ड बंद करने से बचें

क्रेडिट स्कोर को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों में भुगतान का रिकॉर्ड, क्रेडिट यूटिलाइजेशन, क्रेडिट हिस्ट्री की अवधि, क्रेडिट मिक्स और हाल की क्रेडिट पूंजीगत शामिल हैं। लंबे समय से सही तरीके से संचालित क्रेडिट अकाउंट आपके क्रेडिट व्यवहार का लंबा रिकॉर्ड उपलब्ध कराते हैं। इसलिए अगर कोई क्रेडिट कार्ड कई वर्षों से चल रहा है और उस पर समय पर भुगतान होता रहा है, तो उसे सिर्फ इसलिए बंद करना उचित नहीं हो सकता कि उसका इस्तेमाल कम हो रहा है। खासकर ऐसा कार्ड जिस पर वार्षिक शुल्क नहीं है, उसे सीमित और जिम्मेदार इस्तेमाल के साथ सक्रिय रखना क्रेडिट हिस्ट्री बनाए रखने में मदद कर सकता है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि हर पुराना कार्ड हमेशा बनाए रखना जरूरी है। अगर कार्ड पर ज्यादा वार्षिक शुल्क है, उसकी जरूरत नहीं है या उसे संभालना मुश्किल हो रहा है तो बंद करने का फैसला किया जा सकता है। बस इससे पहले इसके संभावित प्रभाव को समझ लेना चाहिए।

बैंक खाता बंद करने से सिबिल पर सीधा असर नहीं

सेविंग या करंट अकाउंट बंद करने

पुराना कार्ड बंद करने पर क्रेडिट हिस्ट्री व क्रेडिट यूटिलाइजेशन पर असर

सेविंग या करंट अकाउंट बंद करने का सिबिल पर सीधा प्रभाव नहीं

से आमतौर पर सिबिल स्कोर पर सीधा असर नहीं पड़ता। लेकिन यहां एक सावधानी जरूरी है। अगर इसी खाते से किसी लोन की ईएमआई, क्रेडिट कार्ड बिल या दूसरी नियमित भुगतान व्यवस्था जुड़ी है और खाता बंद कर दिया गया तो भुगतान छूट सकता है। एक ईएमआई या क्रेडिट कार्ड भुगतान में देरी आपके क्रेडिट प्रोफाइल को नुकसान पहुंचा सकती है। इसलिए बैंक खाता बंद करने से पहले सभी ऑटो-डेबिट, ईएमआई और स्टैंडिंग इस्टिमेट्स को नए सक्रिय खाते में ट्रांसफर करना जरूरी है।

कितने क्रेडिट कार्ड रखना सही?

क्रेडिट कार्ड की कोई निश्चित संख्या ऐसी नहीं है, जिसे हर व्यक्ति के लिए आदर्श माना जाए। असली बात यह है कि व्यक्ति अपने कार्डों को कितनी जिम्मेदारी से संभालता है। चार-पांच कार्ड रखने वाला व्यक्ति भी अच्छे क्रेडिट प्रोफाइल बनाए रख सकता है, अगर वह समय पर पूरा भुगतान करता है और अपनी क्रेडिट लिमिट का नियंत्रित इस्तेमाल करता है। वहीं कम कार्ड रखने वाला व्यक्ति भी खराब स्कोर बना सकता है, अगर भुगतान में लगातार देरी होती है। इसलिए कार्डों की संख्या से ज्यादा महत्वपूर्ण है समय पर भुगतान, कम क्रेडिट उपयोग और लंबे समय तक जिम्मेदार क्रेडिट व्यवहार।

कार्ड बंद करने से पहले करें ये काम

- 1. सभी बकया चुकाएं : कार्ड बंद करने से पहले कोई बकया राशि या शुल्क लंबित न रहने दें।
- 2. सबसे पुराने कार्ड को सुरत बंद न करें : पहले देखें कि वह आपकी क्रेडिट हिस्ट्री में कितना योगदान दे रहा है।
- 3. क्रेडिट लिमिट का हिसाब लगाएं : कार्ड बंद करने के बाद आपकी कुल उपलब्ध लिमिट कितनी बचेगी, यह जरूर देखें।
- 4. ऑटो पेमेंट बंद करें : बैंक खाता बंद करने से पहले ईएमआई और क्रेडिट कार्ड के ऑटो-डेबिट को दूसरे खाते से जोड़ें।
- 5. क्लोजर की पुष्टि लें : कार्ड बंद होने के बाद बैंक से क्लोजर की पुष्टि और जरूरी दस्तावेज सुरक्षित रखें।

यह भी रखें ध्यान

पुराना कार्ड बंद करना सिबिल स्कोर निश्चित रूप से कम होना नहीं है। अगर आपके पूरे क्रेडिट प्रोफाइल पर निर्भर करता है। वहीं सामान्य सेविंग या करंट अकाउंट बंद करने का सिबिल स्कोर पर सीधा असर नहीं पड़ता। सबसे महत्वपूर्ण है कि आपके लोन और क्रेडिट कार्ड की ईएमआई/बिल समय पर चुकते रहें।

एक ही कैटेगरी की स्कीमों के रिटर्न में बढ़ा अंतर स्मॉल-कैप में करीब 32 प्रतिशत अंक का फासला विशेषज्ञ बोले- एक-दो साल के प्रदर्शन पर न जाए 3 से 5 साल का नजरिया रखें, तभी बेहतर रिटर्न

सुझाव

बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय केवल सही कैटेगरी चुन लेना ही पर्याप्त नहीं है। एक ही कैटेगरी में शामिल अलग-अलग स्कीमों के प्रदर्शन में बड़ा अंतर देखने को मिल सकता है। पिछले एक साल के प्रदर्शन से यह अंतर और स्पष्ट हुआ है। फ्लेक्सी-कैप और स्मॉल-कैप जैसी कैटेगरी में कुछ फंडों ने जहां निवेशकों को बेहतर रिटर्न दिया, वहीं कुछ स्कीमों का प्रदर्शन कमजोर रहा। ऐसे में विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशक को केवल कैटेगरी या पिछले एक साल के रिटर्न के आधार पर फंड का चुनाव नहीं करना चाहिए। फंड मैनेजर की गुणवत्ता, रिसर्च टीम और अलग-

अलग बाजार परिस्थितियों में प्रदर्शन को भी देखना जरूरी है।

फ्लेक्सी-कैप में भी दिखा बड़ा अंतर

फ्लेक्सी-कैप फंडों के प्रदर्शन में पिछले एक साल में उल्लेखनीय अंतर रहा। इस कैटेगरी में सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाली स्कीम ने करीब 12.29 प्रतिशत रिटर्न दिया, जबकि कमजोर प्रदर्शन करने वाली स्कीम का रिटर्न करीब 5.75 प्रतिशत निगेटिव रहा। यानी एक ही कैटेगरी के दो फंडों के बीच प्रदर्शन का अंतर काफी बड़ा रहा। इससे साफ है कि केवल यह तय कर लेना कि निवेशक को फ्लेक्सी-कैप फंड में पैसा लगाना है, पर्याप्त नहीं है। उसी कैटेगरी में कौन-सी स्कीम निवेश के लिए बेहतर है, इसका मूल्यांकन भी उतना ही महत्वपूर्ण है।



स्मॉल-कैप में और ज्यादा अंतर

स्मॉल-कैप कैटेगरी में यह अंतर और अधिक देखने को मिला। ट्रस्ट स्मॉल कैप फंड ने पिछले एक साल में करीब 27.39 प्रतिशत रिटर्न दिया, जबकि टाटा स्मॉल कैप फंड का रिटर्न करीब 5.08 प्रतिशत निगेटिव रहा। दोनों एक ही कैटेगरी के फंड हैं, लेकिन प्रदर्शन में करीब 32 प्रतिशत अंक का अंतर दिखाई दिया। विशेषज्ञों के मुताबिक इस तरह का अंतर बताता है कि फंड की कैटेगरी के साथ-साथ उसके पोर्टफोलियो में शामिल कंपनियों,

सेक्टर आवंटन और फंड मैनेजर की रणनीति का प्रदर्शन पर बड़ा असर पड़ता है।

सही शेयर और सेक्टर चुनने वाले फंडों को फायदा

वेलथ मैनेजर्स के मुताबिक पिछले एक साल में शेयर बाजार के सभी सेक्टरों ने एक जैसा प्रदर्शन नहीं किया। निज फंड मैनेजर्स ने बेहतर प्रदर्शन करने वाली कंपनियों और सेक्टरों की पहचान कर अपने पोर्टफोलियो में उनका उचित वजन रखा, उन्हें फायदा मिला। ट्रस्ट म्यूचुअल फंड के सीईओ संदीप बागला के मुताबिक पिछले एक

साल में बाजार ने ऐसे फंड मैनेजर्स को पुरस्कृत किया, जिन्होंने सही शेयरों का चुनाव किया। उनके अनुसार डिफेंस, डेटा सेंटर, प्रीमियम कंजमप्शन और सेविंग्स के फाइनैशियलाइजेशन से जुड़ी कंपनियों में निवेश करने वाले पोर्टफोलियो को अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन का लाभ मिला। इसके विपरीत प्रॉपर्टी बैंक और पारंपरिक आईटी कंपनियों में अधिक निवेश रखने वाले कुछ पोर्टफोलियो अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन रहे। इसका कारण इन सेक्टरों का बाजार में अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन रहा।

केवल पिछले रिटर्न के आधार पर न करें निवेश

विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशकों को किसी फंड का चुनाव करते समय केवल पिछले एक या दो साल के रिटर्न की आधार नहीं बनाना चाहिए। किसी एक अवधि में बेहतर प्रदर्शन करने वाला फंड जरूरी नहीं कि आने वाले वर्षों में भी सबसे बेहतर प्रदर्शन करे। निवेशक को यह समझना चाहिए कि फंड मैनेजर किस तरह की निवेश

रणनीति अपनाता है। इसके साथ ही अलग-अलग मार्केट साइकिल में फंड का प्रदर्शन कैसा रहा है, पोर्टफोलियो किस तरह तैयार किया गया है और उसमें जोखिम का स्तर कितना है, इसकी भी समीक्षा करनी चाहिए।

रिसर्च टीम और पोर्टफोलियो पर दें ध्यान

फंड चुनते समय निवेशकों को फंड हाउस की रिसर्च क्षमता और टीम की मजबूती पर भी ध्यान देना चाहिए। फंड की निवेश प्रक्रिया कितनी व्यवस्थित है और रिसर्च टीम कंपनियों का किस स्तर पर विश्लेषण करती है, यह लंबे समय में फंड के प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है। इसके अलावा निवेशक को यह भी देखना चाहिए कि फंड का पोर्टफोलियो उसके अपने वित्तीय लक्ष्य और जोखिम उठाने की क्षमता के अनुरूप है या नहीं। ज्यादा रिटर्न की संभावना के साथ ज्यादा जोखिम भी हो सकता है। इसलिए केवल रिटर्न के आंकड़े देखकर निवेश करना उचित नहीं माना जाता।

प्रदर्शन का अंतर

कुछ म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर्स का मानना ​​है कि एक साल में अलग-अलग नकीमों के प्रदर्शन में दिखाई देने वाला बड़ा अंतर लंबी अवधि में धीरे-धीरे कम हो सकता है। बाजार में अलग-अलग समय पर अलग-अलग सेक्टर और कंपनियां अव्वल प्रदर्शन करती हैं। ऐसे में किसी एक अवधि का प्रदर्शन किसी की पूरी तस्वीर नहीं बताता। केडी कैपिटल के सर्टिफाइड फाइनैशियल प्लानर के अनुसार फंड मैनेजर की निवेश रणनीति का पूरा और सत्य के साथ दिखाई देता है। निवेशकों को बाजार के उतार-चढ़ाव के दौरान जल्दबाजी में फैसला लेने के बजाय लंबी अवधि का नजरिया रखना चाहिए।

3 से 5 साल का नजरिया जरूरी

म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय कम से कम 3 से 5 साल का नजरिया रखना बेहतर होता है। खासकर इक्विटी आधारित फंडों में बाजार की अलग-अलग परिस्थितियों का असर पड़ता है। किसी एक साल में कमजोर प्रदर्शन करने वाली स्कीम जरूरी नहीं कि लंबी अवधि में भी खराब प्रदर्शन करे। इसलिए निवेशक को बार-बार फंड बदलने के बजाय उसके प्रदर्शन की निरंतरता, जोखिम, पोर्टफोलियो में बदलाव और फंड मैनेजर की रणनीति की समय-समय पर समीक्षा करनी चाहिए।

ख़बर संक्षेप



गोसेवा के लिए
पहुंचाया हरा चारा

नारनौल। युवा साथी ग्रुप हरियाणा एवं उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा की टीम ने गोसेवा के लिए एक और सराहनीय पहल की। टीम के सदस्यों ने ढाणी बाठोठा से हरे चारे से भरी पिकअप राजस्थान के रायपुर पाटन स्थित गोशाला में पहुंचाई। गोशाला में पहुंचने के बाद हरे चारे को मशीन की मदद से कटवाकर गावों के लिए उपयोगी बनाया गया। इस सेवा कार्य में राजेंद्र पंडित, मंजीत गुणवाल उपप्रधान, सतेन्द्र निदेशक सुमन स्कूल, राजकुमार, ओमपाल और राहुल सहित अन्य सदस्यों ने सहयोग किया।

विद्यार्थियों को किए
पौधे वितरित

नारनौल। राजकीय महाविद्यालय कृष्णा नगर में प्राचार्य डॉ. सुमन यादव की अध्यक्षता में पौधरोपण व पौधे वितरित कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन एक पेड़ एक जीवन कार्यक्रम के अंतर्गत किया गया। जिसमें सर्वप्रथम महाविद्यालय के विद्यार्थियों व स्टाफ के सदस्यों ने महाविद्यालय प्रांगण में विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए। इस मौके पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक अजीत सिंह, प्रोफेसर नरेश कुमार, प्रेम कुमार, राष्ट्रीय सेवा योजना के दोनों प्रभारी निर्मला यादव व सोमदत्त आदि उपस्थित थे।

नांगल कालिया से निकलेगी
पांचवीं डाक कांठड़

नारनौल। गांव नांगल कालिया से पांचवीं डाक कांठड़ यात्रा निकाली जाएगी। श्रद्धालु नौ अगस्त की सुबह डाक कांठड़ उठाएंगे और 11 अगस्त की सुबह नौ बजे नांगल कालिया स्थित गंधी आश्रम में बाबा रामजीराम मंदिर परिसर में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करेंगे। कांठड़ यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है और तैयारियां पूरी की जा रही हैं। इस धार्मिक यात्रा में हरियाणा रोडवेज नारनौल डिपो के प्रधान हंसराज यादव भी कांठड़ का हिस्सा बनेंगे।

राव सुल्तान विद्यालय में
अभिभावक-शिक्षक बैठक

महेंद्रगढ़। राव सुल्तान सिंह वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय निबेहड़ा में अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। खराब मौसम के बावजूद बड़ी संख्या में अभिभावक विद्यालय पहुंचे और अपने बच्चों की शैक्षणिक प्रगति की जानकारी ली। संस्था निदेशक एडवोकेट सतपाल यादव, प्राचार्य राजकुमार शर्मा व उपप्राचार्य रामकुमार ने अभिभावकों का स्वागत किया। संस्था निदेशक सतपाल यादव ने कहा कि अभिभावकों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति उनके बच्चों के भविष्य के प्रति सलगता को दर्शाती है। मौके पर चेरयरपर्सन सुषमा यादव, प्राचार्य राजकुमार शर्मा, उपप्राचार्य रामकुमार, किड्स हेड प्रमोदलाल, कर्ण सिंह निंबल सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

प्रश्नोत्तरी स्पर्धा में अहीरवाल के इतिहास, संस्कृति व परंपराओं पर हुई चर्चा
अपनी गौरवशाली विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाना हमारा दायित्व: संतोष चौहान

वर्तमान पीढ़ी यदि अपने इतिहास और जड़ों से जुड़ी रहेगी, तो समाज में आत्मगौरव और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना और मजबूत होगी

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

अपनी संस्कृति, इतिहास और पूर्वजों की गौरवशाली विरासत को संजोकर रखना तथा उसे आने वाली पीढ़ी तक पहुंचाना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। हमें अपने पूर्वजों द्वारा स्थापित मान-बिंदुओं और आदर्शों पर गर्व करना चाहिए तथा उनके जीवन एवं कार्यों से युवाओं को परिचित कराना चाहिए। यह बात पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी संतोष चौहान ने संस्कार भारती महाविद्यालय पाली में सांस्कृतिक अहीरवाल ट्रस्ट की ओर से आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के दौरान कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता सांस्कृतिक अहीरवाल के निदेशक सत्यव्रत



नारनौल। कार्यक्रम में संबोधित करते वक्ता।

फोटो : हरिभूमि

नई हजार गांवों का इतिहास
लेखन पूरा करने का दावा

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सांस्कृतिक अहीरवाल के निदेशक सत्यव्रत शास्त्री ने कहा कि ट्रस्ट की ओर से अहीरवाल क्षेत्र के करीब द्वाइं हजार गांवों के इतिहास लेखन का कार्य पूरा किया जा चुका है। इस कार्य में क्षेत्र से जुड़ी प्रतिभाओं, योग्य व्यक्तियों और विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाले लोगों को यथोचित स्थान देने का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र की पहचान केवल एक जाति, वर्ग या समुदाय से नहीं बनती, बल्कि वहां रहने वाले सभी लोगों के सांस्कृतिक योगदान से बनती है। सांस्कृतिक अहीरवाल ट्रस्ट का प्रयास भी इसी सोच के साथ क्षेत्र की साझा विरासत को सामने लाना है। उन्होंने कहा कि समाज को जातिगत सीमाओं से ऊपर उठाकर व्यवस्थित करने और अगली सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने की दिशा में इतिहास लेखन महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है।

अपने इतिहास और जड़ों से जुड़ी रहेगी, तो समाज में आत्मगौरव और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना और मजबूत होगी। पूर्वजों के

संचर्ष, त्याग और उपलब्धियों से प्रेरणा लेकर युवा समाज तथाराष्ट्र के निर्माण में सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं।

महाराजा अग्रसेन के जीवन पर बनेगी फिल्म

हरिभूमि न्यूज़ ►► मंडी अटेली

अटेली क्षेत्र से महासर माता की फिल्म बनाने वाले महासर धाम के बाद इसी फिल्म के डायरेक्टर महाराजा अग्रसेन के जीवन, उनके आदर्शों और लोक कल्याण की भावना पर आधारित एक भव्य फिल्म का निर्माण किया जा रहा है। फिल्म में महाभारत सीरियल में भीष्म पितामह की अमर भूमिका खिन्नने वाले प्रसिद्ध अभिनेता मुकेश खन्ना महाराजा अग्रसेन की मुख्य भूमिका निभाएंगे। सितंबर के अंत में फिल्म के डायरेक्टर व दूसरे कलाकार अग्रोहा हिसार में आएंगे। फिल्म निर्माण की औपचारिक शुरुआत के अवसर पर मुकेश खन्ना के कार्यालय में उन्हें साईनिंग अमाउंट प्रदान कर फिल्म के लिए अनुबंध की प्रक्रिया पूरी की गई।

जन-जन तक पहुंचेंगे महाराजा अग्रसेन के विचार



डायरेक्टर सन्नी अग्रवाल।

फिल्म निर्माताओं का उद्देश्य महाराजा अग्रसेन के जीवन और उनके आदर्शों को नई पीढ़ी सहित आमजन तक पहुंचाना है। महाराजा अग्रसेन द्वारा दिए गए सामाजिक समानता, सहयोग, परोपकार और लोक कल्याण के संदेश को फिल्म के माध्यम से व्यापक स्तर पर प्रस्तुत किया जाएगा। इससे युवाओं की भी महाराजा अग्रसेन के जीवन एवं विचारों से प्रेरणा मिलने की उम्मीद है। अग्रवाल समाज के लोगों ने फिल्म निर्माण की इस पहल को समाज के गौरव से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम बताते हुए इसे सफल बनाने में हरसंभव सहयोग देने का आह्वान किया।

समाज बंधुओं ने कहा कि महाराजा अग्रसेन के जीवन और आदर्शों को बड़े पैदं पर प्रस्तुत करना पूरे समाज के लिए गौरव की बात है।

इसके साथ ही फिल्म का विधिवत शुभ मुहूर्त भी संपन्न हुआ। अग्रवाल समाज के लिए ऐतिहासिक पहल बताते हुए समाज बंधुओं ने प्रसन्नता व्यक्त की। फिल्म के निदेशक सन्नी अग्रवाल ने बताया कि फिल्म श्याम फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले बनाई जा रही है। वहीं डॉ. श्याम

अग्रवाल और पुरुषोत्तम केजरीवाल फिल्म के प्रोड्यूसर तथा सुमन अग्रवाल सह-निर्माता हैं। फिल्म के माध्यम से महाराजा अग्रसेन के जीवन संचर्ष, उनके सिद्धांतों और समाज के प्रति उनके योगदान को बड़े पैदं पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का प्रयास किया जाएगा।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ
के लिए किया जागरूक

सतनाली मंडी। आयुष्मान आरोग्य मंदिर बारडा की ओर से वाम पंचायत भवन बारडा में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ. रवि चावला ने कहा कि बेटीयों को शिक्षित करना समाज और राष्ट्र के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि आज की बेटीयां किसी भी क्षेत्र में बेटों से कम नहीं हैं, बल्कि शिक्षा, खेल, विज्ञान, प्रशासन और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन कर रही हैं। उन्होंने एचपीवी वैक्सीन के बारे में जानकारी देते हुए इसके लाभों और सर्वाइकल कैंसर से बचाव में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताते हुए अपनी बेटीयों का समय पर टीकाकरण करवाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में सरपंच कैलाश देवी सहित राकेश कुमार एमपीएचडब्ल्यू, सोनल वालिया एचनखंड, आशा कार्यकर्ता अमिता, रिक्की, मुनेश, सत्यवती आदि उपस्थित रही।

दक्ष वर्धन ने राज्यस्तरीय
चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

जॉन वेस्ले कॉन्वेंट स्कूल के कक्षा तीसरी के छात्र शहर के रेवाड़ी रोड स्थित कैलाश नगर निवासी दक्ष वर्धन ने कराटे में शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर नारनौल का नाम रोशन किया है। दक्ष हरियाणा अनुसूचित जाति/जनजाति कर्मचारी कल्याण संघ के पूर्व प्रधान जय नारायण दुग्गल के पौत्र हैं। उनकी इस उपलब्धि से परिवार के साथ-साथ समाज में भी खुशी का माहौल है। दक्ष वर्धन ने एसआरएस विद्यालय, आईएमटी रोहतक में आयोजित तृतीय रोज मिराइका क्रीड़ा कराटे संघ 2026 (सत्र-1)



नारनौल। पीटीएम में भाग लेते अध्यापक व अभिभावक।

फोटो : हरिभूमि

विद्या भारती स्कूल निजामपुर में
अध्यापक-अभिभावक सम्मेलन

अभिभावकों द्वारा दिए गए
सुझावों पर भविष्य में अमल
करने का आश्वासन दिया

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर में शनिवार को अध्यापक-अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में अभिभावकों ने बह-चढ़कर भाग लिया। सम्मेलन में संदीप बसई, कंवल निजामपुर, हिम्मत सिंह पवेरा, सुमेर सिंह बेसरड़ा, संजय छिलरो, अमित बेसरड़ा, संजय छिलरो, अमित बेसरड़ा, संजय छिलरो, प्रवीण छिलरो, मनवीर बसीरपुर, सुरेंद्र सेरली, कुलदीप इलावर, अशांक बसई, देशराज नापला, दिनेश कारोली, दयाराम जमालपुर, पवन छिलरो, नरेंद्र बसई, विजेंद्र छिलरो, दीपक डाबला आदि

अभिभावकगण उपस्थित थे। इस अवसर पर संस्था के चेयरमैन एडवोकेटराजकुमार यादव, वाइस चेयरपर्सन डॉ. उषा यादव, प्रबंधक निदेशक एडवोकेट पीयूष यादव, निदेशिका डॉ. रविन्द्रा यादव, उप प्राचार्य प्रवीण कुमार शर्मा, कोर्डिनेटर रितु शर्मा, किड्स ब्लॉक इंचार्ज विजय सोनी सहित सभी अध्यापकगण उपस्थित थे। अन्त में प्राचार्य अजीत सिंह ने अभिभावकों द्वारा दिए गए सुझावों पर भविष्य में अमल करने का आश्वासन दिया व कहा कि अभिभावकों द्वारा दिए गए सुझाव विद्यालय व बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक होते हैं। संस्था के चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव ने अभिभावकों से समय-समय पर अपने बच्चों की शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी लेने के लिए आग्रह किया।

चाट स्वर्ण, एक रजत व एक कांस्य पदक जीत चुके



दक्ष के पिता संजीव कुमार ने बताया कि वर्ष 2025 और 2026 में अब तक दक्ष विभिन्न कराटे प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए चार स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक जीत चुका है। इतनी कम उम्र में लगातार प्रतियोगिताओं में पदक जीतना उसकी खेल प्रतिभा और मेहनत को दर्शाता है। दक्ष की इस उपलब्धि पर परिवार, परिचितों और समाज के लोगों ने खुशी जताई तथा उसे राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भी शानदार प्रदर्शन करने के लिए शुभकामनाएं दीं। परिजनों का

राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में 12 वर्ष से कम आयु वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन के आधार पर उन्हें स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। इसके साथ ही दक्ष को व्हाइट बेल्ट से सम्मानित किया गया तथा उसका चयन नेशनल चैंपियनशिप के लिए भी

हुआ है। दक्ष की सफलता पर उनके परदादा रामसिंह और दादा जयनारायण दुग्गल ने खुशी जताते हुए कहा कि यह उपलब्धि उसकी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। माता-पिता और कोच के मार्गदर्शन ने भी दक्ष को इस मुकाम तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।



नारनौल। पीटीएम में मौजूद अध्यापक व अभिभावक।

फोटो : हरिभूमि

एमआर स्कूल मित्रपुरा में हुई पीटीएम

नारनौल। एमआर पब्लिक स्कूल मित्रपुरा में अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन सियाराम व प्रधानाचार्य अनीता यादव ने अभिभावकों से संवाद किया। पीटीएम के दौरान बड़ी संख्या में अभिभावकों ने विद्यालय पहुंचकर शिक्षकों एवं विद्यालय प्रबंधन से मुलाकात की। अभिभावकों ने विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, अनुशासन, नियमितता, व्यवहार एवं सर्वांगीण विकास से संबंधित विषयों पर चर्चा की। चेयरमैन सियाराम व प्रधानाचार्य अनीता यादव ने अभिभावकों से विद्यालय के उत्कृष्ट प्रदर्शन व विद्यार्थियों के उच्चल भविष्य के लिए निरंतर सहयोग और सकारात्मक सुझाव देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय और अभिभावकों के संयुक्त प्रयासों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण एवं सफलता के नए अवसर प्रदान किए जा सकते हैं। बैठक के दौरान शिक्षकों ने अभिभावकों के साथ विद्यार्थियों की प्रदाई, कक्षा प्रदर्शन, व्यवहार एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि अभिभावक और शिक्षक मिलकर ही बच्चों के उच्चल भविष्य की मजबूत नींव तैयार कर सकते हैं।

सूरज स्कूल में मानसिक स्वास्थ्य
पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज़ ►► महेंद्रगढ़

सूरज स्कूल महेंद्रगढ़ में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के तत्वावधान में शिक्षकों के लिए विद्यार्थियों में मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने विषय पर एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य शिक्षकों को विद्यार्थियों में तनाव, चिंता और व्यवहार में होने वाले बदलावों की समय रहते पहचान करने तथा सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण तैयार करने के लिए प्रशिक्षित करना था। विद्यालय निदेशक संदीप प्रसाद ने सीबीएसई द्वारा मनीषीत बाल मनोवैज्ञानिक एवं शिक्षा विशेषज्ञ अनमोल चुध और मनीषा वालिया का स्वागत किया। विशेषज्ञों ने



महेंद्रगढ़ कार्यक्रम में भाग लेता स्कूल स्टाफ।

फोटो : हरिभूमि

शिक्षकों को विद्यार्थियों में शैक्षणिक तनाव, अवसाद, एकाग्रता की कमी और व्यवहार में अचानक बदलाव जैसे शुरुआती संकेत पहचानने की जानकारी दी। कार्यशाला में तनाव प्रबंधन, सचेतनता, सकारात्मक प्रोत्साहन और जीवन कौशल शिक्षा को दैनिक दिनचर्या में शामिल करने पर जोर दिया गया। साथ ही विद्यार्थियों के संतुलित विकास के लिए शिक्षकों और अभिभावकों के बीच

निरंतर संवाद बनाए रखने की आवश्यकता बताई गई। कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तरी आयोजित कर शिक्षकों की व्यावहारिक शंकाओं का समाधान किया गया। प्रधानाचार्य ने विशेषज्ञों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है। विद्यार्थियों का मानसिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ रहना उनके सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है।

नीरज चोपड़ा ने भारतीय
एथलेटिक्स को विश्व स्तर पर
नई पहचान दिलाई

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

भारतीय एथलेटिक्स के स्टार खिलाड़ी नीरज चोपड़ा की ऐतिहासिक उपलब्धि की याद में राष्ट्रीय जेवेलिन दिवस के अवसर पर जेसी स्पोर्ट्स क्लब खेल मैदान दनचौली में भाला फेंक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिलेभर से करीब 100 एथलीट खिलाड़ियों ने हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आयोजन के दौरान खिलाड़ियों को निःशुल्क खेल



नारनौल। प्रतियोगिता की विजेता टीम।

फोटो : हरिभूमि

सुविधा और जलपान उपलब्ध कराया गया तथा प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पदक देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सत्यवीर धनखड़, फरीदाबाद, मीडिया प्रभारी खेल हरियाणा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने सभी खिलाड़ियों का

उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें बेहतर खेल प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव प्रदीप यादव ने बताया कि ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा के जिले के रहनेवाले हैं और उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने की याद में भारतीय एथलेटिक्स महासंघ और एथलेटिक्स हरियाणा

जेसी स्पोर्ट्स क्लब में पदक विजेता खिलाड़ियों को किया सम्मानित

भाला फेंक प्रतियोगिता में 100 खिलाड़ियों ने दिखाया दम

के मानकों के अनुसार सात अगस्त को राष्ट्रीय जेवेलिन दिवस का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में जेसी स्पोर्ट्स क्लब के खेल मैदान में यह प्रतियोगिता आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि जिले के करीब 100 भाला फेंक खिलाड़ियों ने आयोजन में भाग लिया। ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के खिलाड़ियों के लिए इस तरह के आयोजन उन्हें अपनी प्रतिभा को पहचानने तथा आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि नीरज चोपड़ा ने भारतीय एथलेटिक्स को विश्व स्तर पर नई पहचान दिलाई है और उनकी सफलता से देश के युवाओं में जेवेलिन के प्रति रुचि तेजी से बढ़ी है।

विजेताओं को
किया सम्मानित

आयोजन के दौरान पदक विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव प्रदीप यादव, खेल हरियाणा के मीडिया प्रभारी सत्यवीर धनखड़, जेसी स्पोर्ट्स क्लब के संचालक जलमाल छिल्लर, खेल प्रशिक्षक मनजीत खटाना, दिग्विजय लाठर और अंकुश यादव ने विजेता खिलाड़ियों को पदक प्रदान किया। आयोजकों ने कहा कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करना और जेवेलिन जैसी एथलेटिक्स स्पर्धाओं में नई प्रतिभाओं को आगे लाना है।

लंबित मांगों को लेकर कर्मचारियों ने की जमकर नारेबाजी

बिजली कर्मियों का सरकार के खिलाफ आर पार का ऐलान, 3 घंटे गरजा विरोध प्रदर्शन

■ मांगें नहीं मानीं तो 11 से 13 अगस्त तक हड़ताल की चेतावनी
हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

हरियाणा बिजली कर्मचारी एवं इंजीनियरिंग संयुक्त संघर्ष मोर्चा की केंद्रीय परिषद के आह्वान पर शुक्रवार को नारनौल स्थित उपमंडल अधिकारी कार्यालय के प्रांगण में बिजली कर्मचारियों ने तीन घंटे तक जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए अपनी लंबित मांगों को शीघ्र पूरा करने की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। कर्मचारियों ने 11 से 13 अगस्त तक हड़ताल पर जाने की चेतावनी भी दी।

प्रदर्शन में केंद्रीय परिषद के सहसचिव सुभाष रोहिल्ला विशेष रूप से मौजूद रहे। उन्होंने कर्मचारियों को केंद्रीय परिषद की आगामी आंदोलन की रणनीति से अवगत कराया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुभाष रोहिल्ला ने की, जबकि मंच संचालन कनिष्ठ अभियंता प्रवीण कुमार ने किया।

खाली पद भरने व कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने की मांग

नारनौल। प्रदर्शनकारियों ने बिजली निगमों में लंबे समय से खाली पड़े सभी पदों को भरने की मांग भी प्रमुखता से उठाई। कर्मचारियों ने कहा कि पद खाली होने के कारण मौजूदा कर्मचारियों पर काम का अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। इसके साथ ही रिक्त पदों पर पदोन्नति करने, महंगाई के अनुसार भत्तों में बढ़ोतरी करने और कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने की मांग की गई। कर्मचारियों ने गृह मंडल में नियुक्ति देने की मांग भी रखी। उनका कहना था कि कर्मचारियों को उनकी सुविधा और पारिवारिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए गृह मंडल में नियुक्ति दी जानी चाहिए। यूनिट उपप्राधान राकेश यादव ने प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा कि कर्मचारियों का आंदोलन लगातार जारी रहेगा। इसके बावजूद यदि सरकार ने उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं लिया तो केंद्रीय संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर 11, 12 और 13 अगस्त को बिजली कर्मचारी हड़ताल पर जाने के लिए मजबूर होंगे। उन्होंने कहा कि कर्मचारी अपनी जायज मांगों को लेकर लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन सरकार की ओर से अभी तक अपेक्षित सकारात्मक पहल नहीं की गई है। प्रदर्शन में नारनौल के कोषाध्यक्ष दिनेश सोनी, नगर प्रधान सुरेंद्र यादव, नगर-दो के राकेश यादव, मनोज, कनिष्ठ अभियंता अमन, कनिष्ठ अभियंता जित, कनिष्ठ अभियंता प्रवीण, रण सिंह, ललित, आशीष, नरेश, सत्यपाल, भीम सिंह, विक्रम, घनश्याम, बलवान, मोहित सहित बड़ी संख्या में बिजली कर्मचारी मौजूद रहे। कर्मचारियों ने प्रदर्शन के दौरान सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की।

कृषि क्षेत्र के लिए अलग फैसला रद्द करने की मांग

प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने सरकार के सामने कई प्रमुख मांगें रखीं। कर्मचारियों ने कृषि क्षेत्र के लिए अलग बिजली वितरण कंपनी बनाने के निर्णय को रद्द करने की मांग की। इसके साथ ही पुरानी पेंशन योजना लागू करने, कर्मचारियों को बिना नकद मुग्तान के चिकित्सा सुविधा देने तथा जोखिम भरा लागू करने की मांग भी उठाई। कर्मचारियों ने अंतर-उपक्रम स्थानान्तरण नीति लागू करने, अनुग्रह राशि नीति में आवश्यक संशोधन करने और बिजली क्षेत्र में निजीकरण पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। कर्मचारियों का कहना था कि बिजली क्षेत्र में निजीकरण से कर्मचारियों के हित प्रभावित होंगे।

नशा मुक्त विद्यालय पोर्टल पर पंजीकरण एवं स्व-मूल्यांकन करना होगा अनिवार्य

■ विद्यालयों को पोर्टल पर सैल्फ असेसमेंट भी निर्धारित समय सीमा में पूरा करना होगा

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) हरियाणा ने प्रदेश के सभी राजकीय विद्यालयों के लिए ‘नशा मुक्त विद्यालय पोर्टल’ पर पंजीकरण एवं सैल्फ असेसमेंट 10 अगस्त तक पूरा करना अनिवार्य किया है। इस संबंध में एससीईआरटी ने सभी जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों (डाइट) के प्राचार्यों को निर्देश जारी

किए हैं। एससीईआरटी द्वारा जारी पत्र में बताया गया है कि पूर्व में जारी निर्देशों के अनुसार जिला नोडल अधिकारियों को सभी विद्यालयों को पोर्टल पर पंजीकरण सुनिश्चित कराने तथा निर्धारित समय सीमा तक स्व-मूल्यांकन रिपोर्ट भरवाने के निर्देश दिए गए थे। हालांकि समीक्षा में पाया गया कि अभी तक केवल कुछ ही विद्यालयों ने पोर्टल पर पंजीकरण कर स्व-मूल्यांकन प्रक्रिया पूरी की है।

पत्र के अनुसार नशा मुक्त विद्यालय पोर्टल को देशभर के विद्यालयों में तंबाकू मुक्त शैक्षणिक

संस्थान दिशानिर्देशों एवं नशा मुक्त विद्यालय अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विकसित किया गया है। सभी विद्यालयों के लिए पोर्टल पर पंजीकरण और स्व-मूल्यांकन फॉर्म भरना अनिवार्य है। एससीईआरटी ने जिला नोडल अधिकारियों के लिए पोर्टल पर लॉगिन आईडी भी उपलब्ध करा दी है, ताकि वे अपने जिले के विद्यालयों की प्रगति की निगरानी कर सकें। प्रथम बार लॉगिन मोबाइल नंबर एवं ओटीपी के माध्यम से होगा, जिसके बाद पासवर्ड रीसेट कर संबंधित जिले की रिपोर्ट देखी जा सकेगी।



नारनौल। फायर ब्रिगेड कार्यालय के बाहर धरना देते कर्मचारी।

फोटो : हरिभूमि

पालिका कर्मचारियों की हड़ताल तीसरे दिन भी जारी, तीन दिन और बढ़ाई

नारनौल। नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर नगर पालिका कर्मचारी संघ इकाई नारनौल एवं अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों की हड़ताल तीसरे दिन भी जारी रही। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि सरकार से बार-बार वार्ता का प्रयास करने के बावजूद उनकी मांगों पर कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जा रहा है। इससे नाराज कर्मचारियों ने तीन दिन की हड़ताल को तीन दिन और बढ़ाने का निर्णय लिया है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि इसके बाद भी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन को और आगे बढ़ाया जाएगा। कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में कच्चे कर्मचारियों को पक्का करना तथा शहीद फायर कर्मचारी के परिवार को एक सदस्य को सरकारी नौकरी और 50-50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देना शामिल है। कर्मचारियों का आरोप है कि इन मांगों को लेकर अभी तक सरकार की ओर से कोई पत्र जारी नहीं किया गया और न ही घोषित आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। इसके चलते अग्निशमन विभाग के कर्मचारी भी पूर्ण रूप से हड़ताल पर हैं। हड़ताल में नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों और अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों ने भाग लिया। इस दौरान नगर पालिका कर्मचारी संघ के इकाई प्रधान भूपेंद्र सरवण, फायर इकाई प्रधान गुरदयाल सिंह, राज्य कोषाध्यक्ष महेंद्र सिंह स्नेहलिया, सर्व कर्मचारी संघ के राज्य सचिव महेंद्र बोयत, जिला प्रधान राहुल सरवण, कोशल यादव, सचिव महेंद्र दायमा सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रह्लाद की अटूट भक्ति का प्रसंग सुनाया, गो सेवा का दिया संदेश

महेंद्रगढ़। शहर के मोहल्ला ढाणी स्थित श्री सुरतागिरी सनातन सन्यास-13 मंडी पंचदशनामी जूना अखाड़ा आश्रम में चल रही सप्ताहव्यापी श्रीमद्भागवत एवं शिवपुराण कथा के चौथे दिन श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। मुख्य यजमान राजकुमार सैनी व उनकी कृष्ण सैनी रहे। पूजा-पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और मंत्रोच्चार से आश्रम परिसर भक्तिमय रहा।

अर्चना के बाद भजन-कीर्तन और मंत्रोच्चार से वातावरण भक्तिमय हो गया। नारायणपुर के कथावाचक एवं गोभक्त साईराम महाराज ने भगवान शिव की महिमा के साथ प्रह्लाद की अटूट भक्ति का प्रसंग सुनाया। उन्होंने कहा कि सच्चे भक्त के लिए विपरीत परिस्थितियां बाधा नहीं बनती। प्रह्लाद ने कठिन परिस्थितियों में भी भगवान नारायण की भक्ति और नाम-स्मरण नहीं छोड़ा। उन्होंने श्रद्धालुओं से ईश्वर के प्रति अटूट श्रद्धा रखने का आह्वान किया। साईराम महाराज ने गौ सेवा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि श्रद्धा और समर्पण के साथ गौ सेवा करने से जीवन में सकारात्मकता आती है और धर्म-कर्म के प्रति आस्था मजबूत होती है। महंत कपूर गिरी के शिष्य इतवार गिरि महंत ने बताया कि कथा का आयोजन 11 अगस्त तक जारी रहेगा। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

निर्माणाधीन बरसाती नाले का निर्माण सरकारी मापदंडों के अनुसार करवाने की मांग

■ अब तक बना नाला रोड की सेंटर लाइन से करीब 50 फीट दायरे में बनाया गया
हरिभूमि न्यूज़ ►► मंडी अटेली

पुराना बस स्टैंड अटेली में नारनौल-रेवाड़ी रोड के साथ निर्माणाधीन बरसाती नाले को लेकर रोड के साथ लगाते दुकानदारों ने प्रशासन से नाले का निर्माण निर्धारित स्थान एवं सरकारी मापदंडों के अनुसार करवाने की मांग की है। दुकानदार महेंद्र सिंह, राकेश कुमार, लक्ष्मण सिंह, सत्यवीर जिलेंद्र, सुशील जोगिंद, सुभाष सोनी, विकास, प्रभाष अग्रवाल, बिजेन्द्र सिंह, राहुल यादव, बनवारी

लाल, रोहताश सिंह, विकास यादव, अनुपमा सोनी, शर्मिला देवी का कहना है कि अब तक नाले का जितना निर्माण हुआ है वह मेन रोड की सेंटर लाइन से लगभग 50 फीट के दायरे में किया गया है। ऐसे में शेष नाले का निर्माण भी इसी मापदंड एवं निर्धारित स्थान के अनुसार किया जाना चाहिए। दुकानदारों ने मांग की है कि नाले के शेष निर्माण में किसी प्रकार का अलग मापदंड या स्थान निर्धारित न किया जाए। दुकानदारों का कहना है कि नाले का निर्माण यदि पूरे मार्ग पर एक समान मापदंड के अनुसार किया जाता है तो इससे भविष्य में होने वाले विवादों से भी बचा जा सकेगा तथा दुकानदारों

और आमजन को अनावश्यक परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। इस मामले को लेकर सभी संबंधित दुकानदारों की ओर से हरियाणा सरकार की स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के कार्यालय में ज्ञापन भी दिया गया है। इसके अलावा नगर पालिका अटेली के उपाध्यक्ष को भी मामले से अवगत कराया गया है। दुकानदारों ने प्रार्थना पत्र देकर प्रशासन एवं संबंधित उच्च अधिकारियों से मांग की है कि निर्माणाधीन नाले के स्थान एवं निर्माण प्रक्रिया की जांच करवाकर यह सुनिश्चित किया जाए कि पूरे नाले का निर्माण निर्धारित स्थान एवं सरकार द्वारा तय मापदंडों के अनुरूप ही हो।



सतनाली मंडी। विरोध प्रदर्शन के दौरान नारेबाजी करते बिजलीकर्मी। फोटो: हरिभूमि

सरकार की नीतियों के विरोध में बिजली कर्मचारियों का प्रदर्शन

सतनाली मंडी। हरियाणा बिजली कर्मचारी एवं इंजीनियर संयुक्त संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर सतनाली उपमंडल कार्यालय परिसर में बिजली कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने सरकार की नीतियों के विरोध में सुबह नौ से 12 बजे तक प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृष्ण कुमार प्रधान ने की, जबकि मंच संचालन राजकुमार एफएम ने किया। संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने प्रदेशभर के बिजली कर्मचारियों एवं अधिकारियों से 11, 12 और 13 अगस्त को प्रस्तावित तीन दिवसीय हड़ताल को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने का आह्वान किया, साथ ही कर्मचारियों से संगठन की एकता और अनुशासन बनाए रखते हुए आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि सरकार बिजली क्षेत्र में मनमाने एवं एकतरफा निर्णय थोपने का प्रयास कर रही है, जिसे कर्मचारी किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेंगे। इस मौके पर संयुक्त संघर्ष मोर्चा की ओर से नवीन कुमार प्रधान व अनिल कुमार सचिव यूनिट महेंद्रगढ़, संदीप कुमार, भूपेन्द्र, चन्द्रदेव, देवेंद्र, रामकिशन, राजेश, सुरेन्द्र, अमित, विक्रम, मोहित, प्रवीण, राजकुमार, अमित, जोगिंद, सरवण कुमार आदि उपस्थित रहे।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नंबरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सएप करें :-

महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड़ा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेल्टा अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य लाजा, प्रथम तल, तरुण कंठर लेब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फ़ोन : 8295738500, 9253681005

हरियाणा एक्सटेंशन एवं गेस्ट लेक्चरर्स सेवा सुरक्षा नियम-2026 का ड्राफ्ट सार्वजनिक

■ 15 दिनों के भीतर आमजन व हितधारकों से मांगे सुझाव

■ 14 अगस्त शाम 5 बजे तक भेज सकेंगे आपत्तियां व टिप्पणियां

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

हरियाणा सरकार के उच्च शिक्षा विभाग ने हरियाणा एक्सटेंशन लेक्चरर्स एवं गेस्ट लेक्चरर्स (सिक्वोरिटी ऑफ सर्विस) अधिनियम, 2025 के तहत तैयार किए गए हरियाणा एक्सटेंशन लेक्चरर्स एवं गेस्ट लेक्चरर्स (सिक्वोरिटी ऑफ सर्विस) नियम-2026 के ड्राफ्ट (ड्राफ्ट रूलर्स) को सार्वजनिक कर दिया है। विभाग ने इन नियमों पर प्रदेश के हितधारकों, शिक्षकों तथा आम नागरिकों से सुझाव एवं आपत्तियां आमंत्रित की है। विभाग द्वारा जारी प्रार

उच्च शिक्षा विभाग ने मांगे नियमों पर सुझाव

उच्च शिक्षा विभाग ने कहा है कि सुझाव भेजने वाले व्यक्ति को अपना नाम एवं संपर्क विवरण देना अनिवार्य होगा। निर्धारित समय सीमा के बाद प्राप्त होने वाले अथवा आवश्यक विवरण के बिना भेजे गए सुझावों पर विचार नहीं किया जाएगा। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि प्राप्त सुझावों की समीक्षा के बाद उपयुक्त पाए जाने वाले सुझावों को नियमों में शामिल किया जा सकता है, जबकि किसी सुझाव को स्वीकार या अस्वीकार करने का अंतिम निर्णय सक्षम प्राधिकारी का होगा। विभाग ने ड्राफ्ट नियमों को डाउनलोड करने की सुविधा भी अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी है, जिससे सभी संबंधित पक्ष नियमों का अध्ययन कर समय रहते अपने सुझाव प्रस्तुत कर सकें।

पब्लिकेशन नोटिस के अनुसार ड्राफ्ट नियमों को उच्च शिक्षा विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है, ताकि सभी संबंधित पक्ष इनका अध्ययन कर अपने सुझाव भेज सकें। विभाग ने स्पष्ट किया है कि नियमों को अंतिम रूप देने से पहले प्राप्त सुझावों और टिप्पणियों पर

निजीकरण व स्मार्ट मीटर योजना के खिलाफ गरजे कर्मचारी

हरिभूमि न्यूज़ ►► मंडी अटेली

सिहमा उपमंडल कार्यालय के कर्मचारियों ने तीसरे दिन गांव में रैली निकाली

बिजली सप्लाई निजी हाथों में देने, स्मार्ट मीटर योजना के विरोध में उपमंडल कार्यालय सिहमा के बिजली कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन के तीसरे एवं अंतिम दिन सिहमा गांव गलियों में रैली निकाल कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का संचालन यूनिट सचिव प्रमोद शर्मा द्वारा

किया गया। वहीं इस प्रदर्शन में अध्यक्षता कर रहे पूर्व यूनिट सचिव अशोक जेई ने कहा कि यदि स्मार्ट बिजली मीटर योजना और एग्री डिस्कोम कंपनी को लाइसेंस देने का फैसला वापस नहीं लिया गया, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। भारतीय किसान यूनियन चहूनी के जिला प्रधान अजीत यादव ने

कहा कि यह संघर्ष सिर्फ कर्मचारियों का नहीं बल्कि आम उपभोक्ताओं और किसानों के हितों से जुड़ा है। प्रदर्शन स्थल पर यूनियन के बैनर लगे हुए थे और कई कर्मचारी व इंजीनियर मौजूद रहे। इस विरोध प्रदर्शन में सच यूनिट प्रधान विनीत जोगड़ा, भगवान दास, प्रदीप शर्मा, भारतीय किसान यूनियन जिला अध्यक्ष अजीत सिंह, देवेंद्र यादव, राजेश, विक्रम, राजेश जेई, प्रवीण यादव, भूपेंद्र यादव, संजीव सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

सम्मान 9 अगस्त को नवान्न में समारोह, जिलों से योद्धाओं के पहुंचने की भी व्यवस्था

हरियाणा के बाद अब पश्चिम बंगाल सरकार करेगी आपातकाल योद्धाओं का सम्मान

■ पश्चिम बंगाल में हर माह मिलेंगे 11 हजार रुपये, 9 अगस्त को नवान्न में होगा सम्मान समारोह
हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

आपातकाल के दौरान लोकतंत्र एवं नागरिक स्वतंत्रताओं की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले आपातकाल योद्धाओं के सम्मान में पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से उठाए जा रहे कदमों का लोकतंत्र सेनानी संघ ने स्वागत किया है।

संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गोविंद भारद्वाज ने पश्चिम बंगाल सरकार एवं मुख्यमंत्री शुभेंद्रु अधिकारी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आपातकाल योद्धाओं को सम्मान देना लोकतांत्रिक मूल्यों और उनके

संघर्ष के प्रति सम्मान का प्रतीक है। गोविंद भारद्वाज ने बताया कि पश्चिम बंगाल के आवेदक आपातकाल योद्धाओं के बैंक खातों में सरकार की ओर से 11 हजार रुपये की सम्मान राशि जमा किए जाने की सूचना प्राप्त हुई है। इसके साथ ही नौ अगस्त दोपहर तीन बजे कोलकाता स्थित नवान्न में आपातकाल योद्धाओं के सम्मान में विशेष

समारोह आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री शुभेंद्रु अधिकारी आपातकाल योद्धाओं को सम्मानित करेंगे। भारद्वाज ने बताया कि सम्मान समारोह में शामिल होने वाले आपातकाल योद्धाओं को संबंधित जिलों से नवान्न तक पहुंचाने के लिए भी आवश्यक व्यवस्थाएं किए जाने की सूचना मिली है। इसके लिए संबंधित जिलों के कलेक्टरों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सम्मान राशि देने के साथ-साथ सम्मान समारोह में पहुंचने के लिए आवागमन की व्यवस्था करना सरकार की संवेदनशीलता और आपातकाल योद्धाओं के प्रति सम्मान की भावना को दर्शाता है।

हरियाणा में भी मिल रहा सम्मान

गोविंद भारद्वाज ने कहा कि हरियाणा सरकार भी आपातकाल योद्धाओं के सम्मान और उनके योगदान को मान्यता देने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि हरियाणा में आपातकाल योद्धाओं को 20 हजार रुपये प्रतिमाह सम्मान पेंशन दी जा रही है। यह व्यवस्था उन लोकतंत्र सेनानियों के त्याग और संघर्ष के प्रति सम्मान का प्रतीक है, जिन्होंने आपातकाल के कठिन दौर में लोकतांत्रिक मूल्यों एवं नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल व हरियाणा सरकार की ओर से आपातकाल योद्धाओं के सम्मान में किए जा रहे प्रयास देश के लोकतांत्रिक इतिहास को सम्मान देने वाले कदम हैं। आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले सेनानियों का सम्मान करना उनके त्याग, साहस और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता को नमन करना है। भारद्वाज ने पश्चिम बंगाल सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आपातकाल योद्धाओं के सम्मान में उठाए गए इन कदमों से देशभर के लोकतंत्र सेनानियों में सकारात्मक संदेश जाएगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि अन्य राज्य सरकारें भी आपातकाल योद्धाओं के सम्मान, सुविधाओं और कल्याण के लिए प्रभावी कदम उठाएंगी।

महेंद्रगढ़। मंदिर में उपस्थित महिलाएं।

फोटो : हरिभूमि

श्रावण में शिवमय हुआ सिसोट का बाबा जाखदेव मंदिर

■ सुबह-शाम महिला भजन-कीर्तन, बड़ी संख्या में महिलाएं ले रही भाग
हरिभूमि न्यूज़ ►► महेंद्रगढ़

पवित्र श्रावण मास में गांव सिसोट स्थित सिद्धपीठ बाबा जाखदेव मंदिर परिसर शिव भक्ति में डूबा हुआ है। मंदिर कमेटेी के तत्वावधान में प्रतिदिन सुबह-शाम महिला भजन-कीर्तन का आयोजन किया जा रहा है। इसमें बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल होकर भगवान भोलेनाथ और माता पार्वती की महिमा का गुणगान कर रही हैं। भजनों और भगवान शिव के जयकारों से मंदिर परिसर का वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। मंदिर कमेटेी के प्रधान रविंद्र पाल और सचिव सुबेदार सतबीर सिंह ने बताया कि श्रावण मास में मंदिर में श्रद्धालुओं की

विशेष आस्था रहती है। प्रतिदिन होने वाले भजन-कीर्तन में महिलाएं उत्साह के साथ भाग ले रही हैं। 'ॐ नमः शिवाय' के जाप के साथ दोलक, मंजीरे और झांझ की धुन पर प्रस्तुत किए जा रहे भजनों से पूरा परिसर शिवमय हो जाता है। महिलाओं ने बताया कि माता भूरा भवानी मंदिर में भी महंत शक्तिनाथ महाराज के मार्गदर्शन में प्रतिदिन शाम को भजन-कीर्तन और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। भजन मंडली में चंद्रावली, कमला, बिमला, सरपंच केला, सरपंच तारावती, शांति, इंद्रा, संतोष, राजेश, भरपाई, फूलवती, ओम देवी सहित अनेक महिलाएं भाग लेकर शिव महिमा का गुणगान कर रही हैं। श्रावण मास के चलते मंदिर परिसर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रहती है।

प्रकृति को हरा-भरा रखना हमारी जिम्मेदारी

नारनौल। प्रकृति संरक्षण और पर्यावरणीय चेतना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शनिवार को रिलारपुर स्थित राजकीय आयुर्वेदिक औषधालय परिसर में एक पेड़ में का नाम अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. शशिबाला ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकात की। जिले के सभी आयुष संस्थानों में 5000 पौधे लगाने का लक्ष्य लिया है, जिसमें 14 अगस्त को एक साथ सभी योगशालाओं में व आयुर्वेदिक औषधालयों में पौधे लगाकर पूरा किया जाएगा। इस मौके पर विमोद शर्मा, शकुंतला, रामनिवास, राज्यपाल, धर्मवीर, रामेश्वर, बालकिशन, गंगादा आदि मिलकर पौधे लगाए।